BSKG-173

बी. ए. संस्कृत आनर्स कार्यक्रम

(BSKH)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2024 एवं जनवरी, 2025 सत्रों के लिये)

BSKG-173 आधार संस्कृत

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

आधार संस्कृत : BSKG-173

सत्रीय कार्य (2024-25)

पाठ्यक्रम कोड : BSKG-173/2024-25

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2024 सत्र के लिए :

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

सत्रीय कार्य : BSKG-173 आधार संस्कृत

सत्रीय कार्य – BSKG-173/TMA/2024-25 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

प्रश्न - 1 संस्कृत भाषा की विभक्तियों की विशेषताएँ लिखें । 10

प्रश्न – 2 निम्न में से किन्हीं पांच के उत्तर लिखिए । 10

I. कर्ता कारक का क्या चिह्न है?

II. संस्कृत में संप्रदान कारक कब प्रयोग किया जाता है?

III. 'गृहे' पद में कौन-सी विभक्ति तथा कारक है?

IV. 'गुरुः शिष्याय ज्ञानं ददाति' इस वाक्य में 'शिष्याय' कौन-सा कारक है?

V. संस्कृत भाषा में पंचमी विभक्ति का प्रयोग कहाँ होता है?

VI. संस्कृत में कर्म कारक का क्या प्रयोग होता है?

प्रश्न -3 कोष्ठक में से उचित विकल्प का चयन कीजिए । 10

i) वृक्षात् ..... पतति । (बालकौ/बालकाः/बालकः)

ii) सः .....सह वनं गच्छति । (सीतया/सीता/सीताम्)

iii) सा .....देवालयं गच्छति । (बसयाने/बसयानात्/बसयानेन)

iv) एषा .... अस्ति? (कः/का/किम्)

v) श्यामः.....धनं ददाति । (लतां/लतायै/लता)

प्रश्न - 4 निम्नलिखित शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखें । 10

i) एतद् - स्त्रिलिङ्ग प्रथमा विभक्ति

ii) अस्मद् – षष्ठी विभक्ति

iii) आत्मन् – चतुर्थी विभक्ति

iv) हरि – तृतीया विभक्ति

v) बालक – पञ्चमी विभक्ति

प्रश्न – 5 निम्नलिखित में से पांच वाक्यों का संस्कृत अनुवाद कीजिए । 10

i) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

ii) आप जल पीते हैं।

iii) बालक खेलता है।

iv) गाय घास खाती है।

v) सूर्य उदय होता है।

vi) तुम्हारा कल्याण हो ।

प्रश्न – 6 निम्नलिखित में से पाञ्च वाक्यों का वाच्यपरिवर्तन कीजिए । 10

i) सः लेखं लिखति।

ii) त्वं पत्रं पठसि ।

iii) सा जलं पिबति।

iv) रमा गच्छति।

v) रामः पुस्तके पठति ।

vi) वयं हसामः ।

प्रश्न – 7 निम्नलिखित धातुओं से निर्देशानुसार प्रत्यय लगाकर शब्द लिखें । 10

i) गम् + क्त्वा =

ii) हस् + क्त (स्त्रिलिङ्ग) =

iii) चल् + तुमुन् =

iv) कृ + तुमुन् =

v) लिख् + क्त (पुल्लिङ्ग) =

प्रश्न – 8 निम्नलिखित पदों में नामोल्लेख पूर्वक सन्धि कीजिए। 10

i) हरे + ए =

ii) भानु + उदय =

iii) पितृ + इह =

iv) वृक्षः + अस्ति =

v) हरिः + इह =

प्रश्न – 9 निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । 7 × 2 = 14

i) एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते
ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः ॥

ii) यस्मान्नोद्विजते लोको लोकान्नोद्विजते च यः ।
हर्षामर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः ॥

iii) क्लेशोऽधिकतरस्तेषामव्यक्तासक्तचेतसाम् ।
अव्यक्ता हि गतिर्दुःखं देहवद्भिरवाप्यते ॥

प्रश्न – 10 प्रश्न संख्या 9 में दिए गए श्लोकों में अधोरेखित तीन पदों की संधि, क्रियारूप, विभक्ति तथा कारक आदि बताएं । 6